

---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

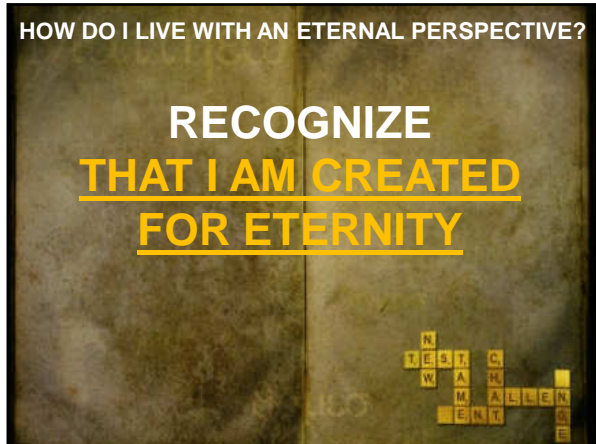
---

---

---

---

---



---

---

---

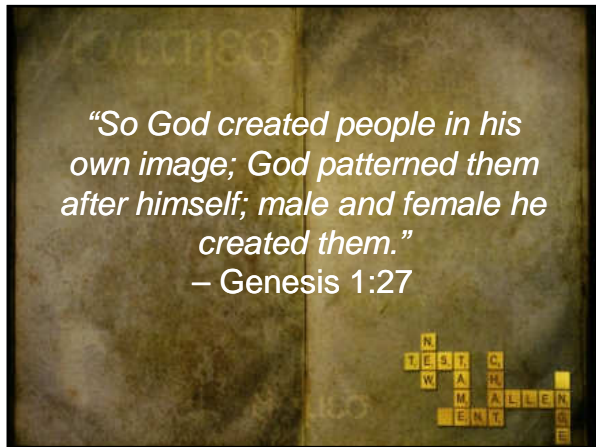
---

---

---

---

---



---

---

---

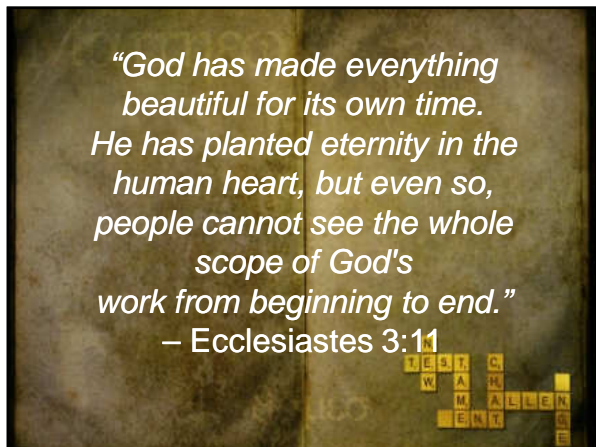
---

---

---

---

---



---

---

---

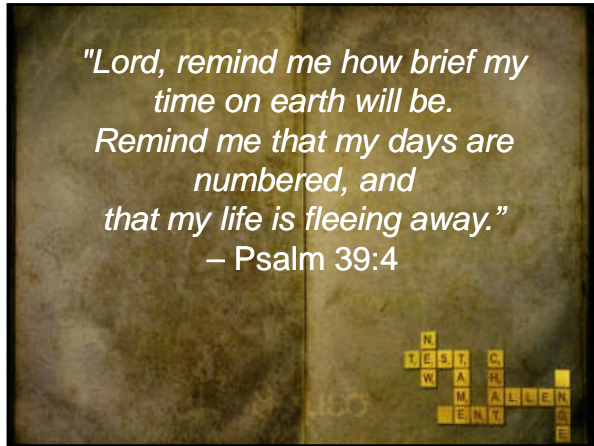
---

---

---

---

---



---

---

---

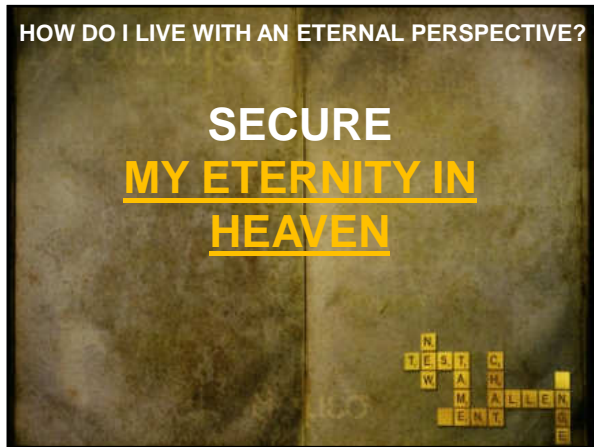
---

---

---

---

---



---

---

---

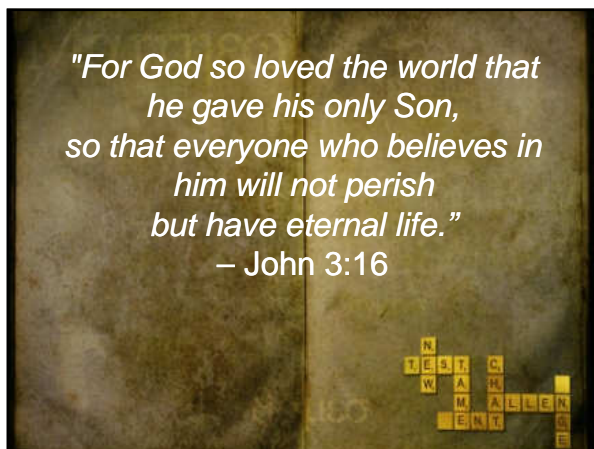
---

---

---

---

---



---

---

---

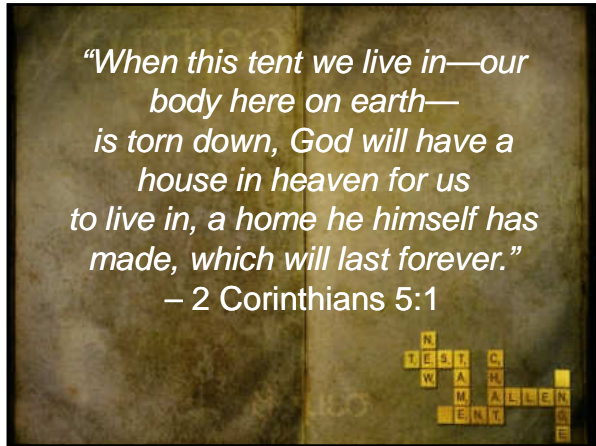
---

---

---

---

---



---

---

---

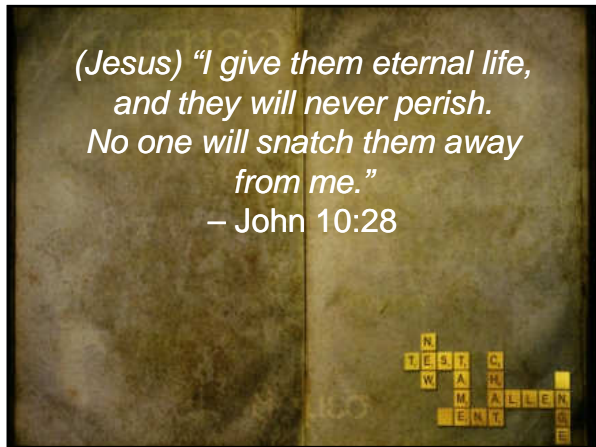
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---

*"Well done, my good and faithful servant. You have been faithful in handling this small amount, so now I will give you many more responsibilities. Let's celebrate together!"*

– Matthew 25:21



---

---

---

---

---

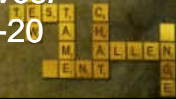
---

---

---

*"Don't store up treasures here on earth, where they can be eaten moths and get rusty, and where thieves break in and steal. Store your treasures in heaven, where they will never become moth-eaten or rusty and where they will be safe from thieves."*

– Matthew 6:19-20



---

---

---

---

---

---

---

---

*"All athletes practice strict self-control. They do it to win a prize that will fade away, but we do it for an eternal prize."*

– 1 Corinthians 9:25



---

---

---

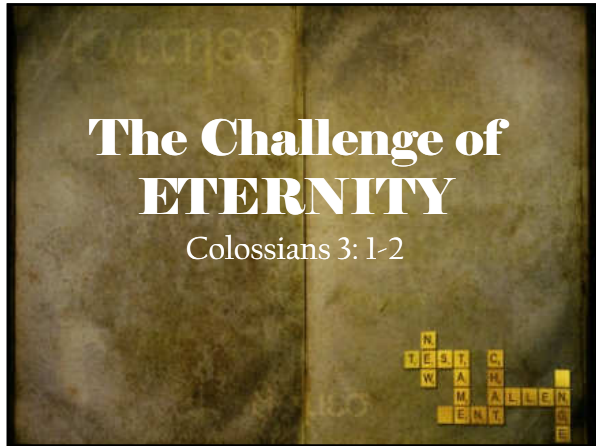
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---

---